

प्लाज़मा समाचार

प्लाज़मा अनुसंधान संस्थान, गांधीनगर, गुजरात(भारत)

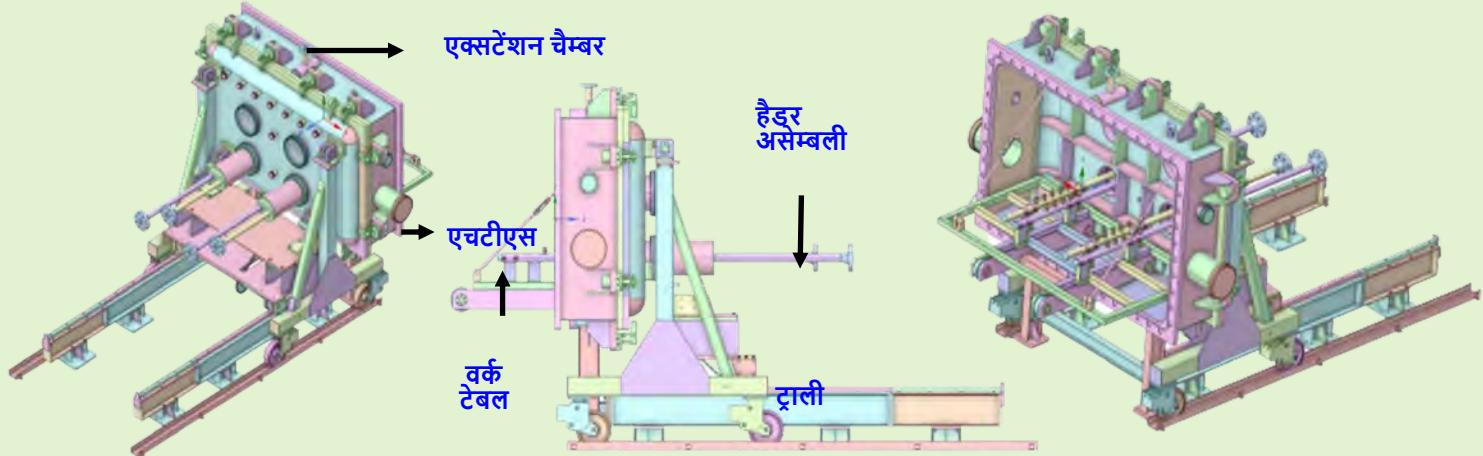


उच्च ऊष्मीय फ्लक्स परीक्षण सुविधा (एचएचएफटीएफ) का अपग्रेडशन

उच्च ऊष्मीय फ्लक्स परीक्षण सुविधा (एचएचएफटीएफ) को प्लाज़मा अनुसंधान संस्थान में स्थापित किया गया है, जो मुख्यतः वॉटर-कूल्ड प्लाज़मा फेसिंग कंपोनेट्स (पीएफसी) व प्लाज़मा फेसिंग पदार्थों (पीएफएम) के ऊष्मीय प्रभाव परीक्षण हेतु टोकामैक ऑपरेशन के दौरान स्थिर अवस्था एवं अस्थायी ऊष्मा प्रवाह क्रमशः $10\text{MW}/\text{m}^2$ और $20\text{MW}/\text{m}^2$ की कोटि में सहने की क्षमता के परीक्षण के लिए है।

हीलियम कूल्ड टारगेट हैंडलिंग सिस्टम (एचटीएस) को हीलियम कूल्ड प्लाज़मा फेसिंग कंपोनेट्स (पीएफसी) जैसे कि टैस्ट ब्लैकेट मॉड्यूल की प्रथम दीवार और हीलियम कूल्ड डायवर्टर के परीक्षण करने के लिए एचएचएफटीएफ की क्षमता बढ़ाने के लिए डिजाइन और निर्मित किया गया है। प्रायोगिक हीलियम कूलिंग लूप (ईएचसीएल) को 80 bar दाब, 400°C तापमान और 400 g/s द्रव्यमान प्रवाह दर तक उच्च दाब उच्च तापमान हीलियम गैस की आपूर्ति के लिए एचएचएफटीएफ के एचटीएस के साथ एकीकृत किया जाएगा।

एचएचएफटीएफ का उपयोग संबंधित वाटर कूल्ड और हीलियम कूल्ड टारगेट हैंडलिंग सिस्टम (डब्ल्यूटीएस व एचटीएस) का इस्तेमाल करते हुए वॉटर कूल्ड और हीलियम कूल्ड पीएफसी दोनों के परीक्षण के लिए होगा। एचटीएस, 2000 किलोग्राम तक के वजन और 2 मीटर (चौड़ाई) \times 1.2 मीटर (ऊंचाई) \times 0.8 मीटर (गहराई) के आकार के हीलियम कूल्ड टैस्ट कम्पोनेट्स को नियंत्रित कर सकता है। एक एक्सटेंशन चैंबर (ईसी) को मौजूदा डी-आकार के वैक्यूम चैंबर के साथ एकीकृत किया गया है, जिससे चैंबर का आयतन 5m^3 से 6.8 m^3 बढ़ गया।



ईसी और एचटीएस असेम्बली का योजनाबद्ध रूप



(बाएं) पार्किंग प्लेस पर एचटीएस व डब्ल्यूटीएस



(दायें) एचटीएस-ईसी-डी चैम्बर की असेम्बली

हिंदी कार्यशाला

2

राष्ट्रीय न्यायालयिक विज्ञान विश्वविद्यालय (NFSU), गांधीनगर में दिनांक 28 जून 2023 को हिंदी कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में प्लाज्मा अनुसंधान संस्थान की हिंदी अधिकारी श्रीमती संध्या दवे को 'कंप्यूटर पर हिंदी के प्रयोग के लिए उपाय' विषय पर प्रशिक्षण देने हेतु आमंत्रित किया गया। श्रीमती संध्या दवे ने कंप्यूटर पर हिंदी के प्रयोग की आवश्यकता, यूनिकोड का योगदान, कंप्यूटर पर हिंदी भाषा को कैसे सक्रिय करें, विभिन्न प्रकार के कीबोर्ड, हिंदी के विभिन्न फॉन्ट, हिंदी अनुवाद टूल्स, वॉइस टाइपिंग टूल्स, कंप्यूटर पर हिंदी में प्रकाशन सामग्री तैयार करना, हिंदी भाषा प्रशिक्षण ऐप आदि पर विस्तार से चर्चा की और प्रतिभागियों के संदेहों को दूर किया।



कार्यशाला की कुछ झलकियाँ

संस्थान के शैक्षणिक दौरे

दिनांक	संस्थान	आगंतुक
28-जून-2023	दिल्ली पब्लिक स्कूल, गांधीनगर	11वीं और 12वीं कक्षा के 38 छात्र और 2 शिक्षक



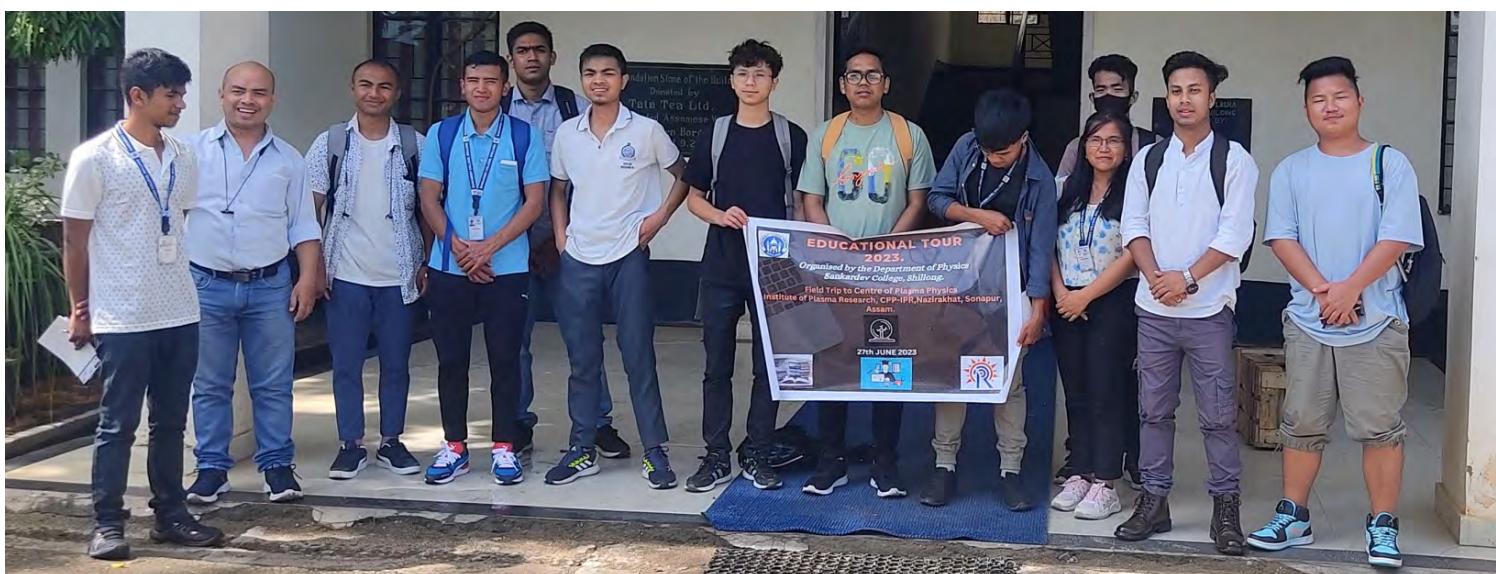
संस्थान के शैक्षणिक दौरे के दौरान दिल्ली पब्लिक स्कूल, गांधीनगर के छात्र और शिक्षक

सीपीपी-आईपीआर में शैक्षणिक दौरा

दिनांक	संस्थान	आगंतुक
27-जून-2023	भौतिकी विभाग, शंकरदेव कॉलेज, शिलांग, मेघालय	बीएससी भौतिकी के 12 छात्र और 4 शिक्षक
27-जून-2023	भौतिकी विभाग, मंगलदाई कॉलेज, उपाहुपारा, असम	बीएससी भौतिकी के 27 छात्र और 3 शिक्षक
05-जुलाई-2023	सेंट फ्रांसिस स्कूल, धूपधारा, गोलपारा, असम	35 छात्र (कक्षा 8, 9 और 10) और 6 शिक्षक



सीपीपी-आईपीआर की शैक्षणिक यात्रा के दौरान मंगलदाई कॉलेज, उपाहुपारा, असम के छात्र



सीपीपी-आईपीआर की शैक्षणिक यात्रा के दौरान शंकरदेव कॉलेज, शिलांग के छात्र



सीपीपी-आईपीआर की शैक्षणिक यात्रा के दौरान सेंट फ्रांसिस स्कूल, धूपधारा, गोलपारा, असम के छात्र

आइजॉल (मिजोरम) में प्लाज्मा प्रदर्शनी

संस्थान के जनजागरूकता प्रभाग ने मिजोरम राज्य के आइजॉल में एक सप्ताह तक चलने वाला वैज्ञानिक जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया। कार्यक्रम 12-16 जून, 2023 के दौरान मिजोरम विज्ञान, प्रौद्योगिकी और नवाचार परिषद (एमएसटीआईसी) आइजॉल के नवाचार सुविधा केंद्र में आयोजित किया गया था। यह मिजोरम राज्य में संस्थान की पहली जनजागरूकता गतिविधि है। कार्यक्रम में प्लाज्मा, इसके अनुप्रयोगों पर एक प्रदर्शनी के साथ-साथ आने वाले छात्रों के लिए प्लाज्मा पर परिचयात्मक वार्ता शामिल थी। इस कार्यक्रम का उद्घाटन विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी निदेशालय, मिजोरम सरकार के मुख्य वैज्ञानिक अधिकारी एच लालसावमलियाना ने किया। श्री सैमुअल लालमलसावमा, प्रधान वैज्ञानिक अधिकारी, MISTIC ने स्वागत भण्डण दिया और वरिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी श्री पी. सी. लालनगिलनेया ने छात्रों का स्पनीय भाषा में प्लाज्मा की अवधारणा से परिचित कराया। पचुंगा यूनिवर्सिटी कॉलेज, आइजॉल के भौतिकी विभाग के बीएससी भौतिकी के छात्रों को आईपीआर टीम द्वारा आने वाले छात्रों को उनकी स्थानीय भाषा में प्रदर्शन समझाने के लिए प्रशिक्षित किया गया था। प्रदूषण नियंत्रण सहित विभिन्न सरकारी विभागों के अधिकारियों ने प्रदर्शनी का दौरा किया और अपने कार्यक्षेत्र में प्लाज्मा तकनीक का उपयोग करने में रुचि व्यक्त की। 5 दिनों के दौरान, आइजॉल क्षेत्र के 12 स्कूलों के 650 से अधिक छात्रों और 25 शिक्षकों के साथ-साथ आम जनता और सरकारी कर्मचारियों ने प्रदर्शनी का दौरा किया।



आइजॉल (मिजोरम) में प्लाज्मा प्रदर्शनी का उद्घाटन



आइजॉल में प्लाज्मा प्रदर्शनी



आगंतुकों को प्लाज्मा प्रदर्शनियों के बारे में समझा रहे स्वयंसेवक छात्र

आइजॉल (मिज़ोरम) में प्लाज्मा प्रदर्शनी

5



आइजॉल (मिज़ोरम) में आयोजित प्लाज्मा प्रदर्शनी की तस्वीरें

इटर परियोजना में भारत द्वारा दिए गए, 1137 TR (4 MW) क्षमता के तीन जल-आधारित शीतलकों की मई-जून 2023 में सफलतापूर्वक एकीकृत कमिशनिंग की गई, जो कि इटर के निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार क्रायोप्लांट और अन्य एचवीएसी प्रणालियों के संचालन की दिशा में यह एक उल्लेखनीय उपलब्धि है।

ये शीतलक, जो कि इटर की जल शीतलन प्रणाली के एक महत्वपूर्ण उपकरण हैं, इनका निर्माण मैसर्स किल्सिकर चिलर प्रा. लि. (KCPL) द्वारा किया गया और यह 6.6 kV/ 140A सॉफ्ट स्टार्टर पर आधारित हैं। KCPL द्वारा इनका निर्माण 2017-18 में भूकंपीय योग्यता और CE अंकन जैसी इटर कार्यस्थल की आवश्यकता के अनुरूप बनाया गया और इस दौरान KCPL ने "मेक इन इंडिया" के अंतर्गत भारत में पहली बार इतनी अधिक क्षमता के शीतलक बनाने में उपलब्ध प्राप्त की। इटर परियोजना स्थल पर गतिविधियों की सम्पूर्ण प्रगति के अनुसार कमिशनिंग का कार्य 2023 में शुरू किया गया।



प्रथम शीतलन (मई/जून 2023)



इटर भारत सहकर्मियों को "इटर स्टार पुरस्कार"

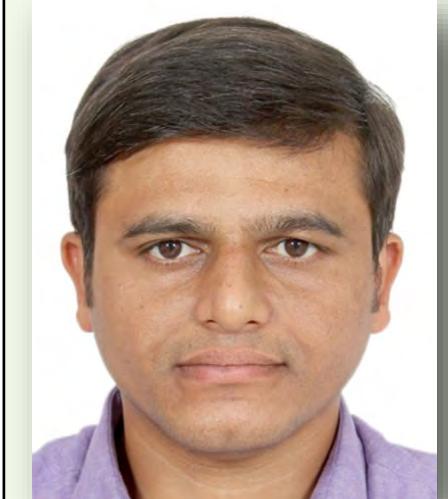
इटर भारत के तीन सहकर्मियों प्रतीक पटेल, महेश जाधव और मितुल पटेल को वर्ष 2023 के प्रथम तिमाही के "इटर स्टार पुरस्कार" के लिए चुना गया। इस सार्वजनिक मान्यता वाले इटर स्टार पुरस्कार को हाल ही में शुरू किया गया है, जिसे इटर के कर्मचारियों को उनके विशिष्ट आचरण अथवा कार्य के लिए दिया जाता है। संस्थान इन तीनों विजेताओं को बहुत-बहुत बधाई देता है।



प्रतीक पटेल इटर भारत के क्रायो-वितरण घटकों के निर्माण के लिए नियुक्त तकनीकी अधिकारी के रूप में कार्यरत हैं और वर्तमान में टोकामैक कॉम्प्लेक्स और आक्षिलरी इमारतों में इटर जल शीतलन घटकों की स्थापना हेतु कार्यक्रम बनाने के लिए कार्य कर रहे हैं।



महेश जाधव इटर में सिस्टम इंटिग्रेटर के रूप में कार्यरत हैं तथा ये वर्तमान में टोकामैक कॉम्प्लेक्स और आक्षिलरी इमारतों में इटर जल शीतलन घटकों की स्थापना हेतु कार्यक्रम बनाने के लिए कार्य कर रहे हैं।



मितुल पटेल एक प्रमाणित मुख्य गुणवत्ता लेखापरीक्षक हैं और इटर में PE/NPE (Pressure equipment/Nuclear Pressure Equipment) प्रतिनिधि हैं, ये इटर के संयोजन अनुबंधों के गुणवत्ता निरीक्षण/निगरानी के लिए तथा इटर कर्मचारियों को टेलिंग का प्रशिक्षण देने के लिए भी ज़िम्मेदार हैं।

राष्ट्रीय हिंदी वैज्ञानिक संगोष्ठी – 2023

प्लाज्मा अनुसंधान संस्थान द्वारा दिनांक 20 एवं 21 जुलाई 2023 को "नाभिकीय ऊर्जा और समाज हेतु इसका योगदान" विषय पर राष्ट्रीय हिंदी वैज्ञानिक संगोष्ठी का आयोजन किया गया जिसमें परमाणु ऊर्जा विभाग की विभिन्न इकाइयों/संस्थाओं/संगठनों/उपक्रमों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। संगोष्ठी के उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि के रूप में श्री राजेश कुमार बहल, समूह निदेशक (सेवानिवृत्त) अंतरिक्ष उपयोग केंद्र, इसरो एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में प्रो. सुरेन्द्र कछवाह, वरिष्ठ प्रोफेसर, पंडिल दीनदयाल एनर्जी यूनिवर्सिटी, गांधीनगर को आमंत्रित किया गया था। उद्घाटन सत्र में गणमान्य जनों द्वारा दीप प्रज्जवलन किया गया।

राष्ट्रीय हिंदी वैज्ञानिक संगोष्ठी के संयोजक डॉ. प्रवीण कुमार आत्रेय ने सभी प्रतिभागियों एवं श्रीताओं का स्वागत किया। अध्यक्ष के रूप में उपस्थित निदेशक महोदय डॉ. शशांक चतुर्वेदी ने सभा को संबोधित करते हुए राजभाषा हिंदी में इस संगोष्ठी के महत्व पर प्रकाश डाला और सभी प्रतिभागियों को इस प्रयास में उत्साहपूर्वक भाग लेने के लिए बधाई दी। मंचासीन महानुभावों द्वारा इस संगोष्ठी की सारांश पुस्तिका का विमोचन किया गया। इसके पश्चात सम्माननीय अतिथियों द्वारा संबोधन के साथ तकनीकी विषय पर प्रस्तुतियां दी गईं। प्रो. सुरेन्द्र कछवाह ने 'औद्योगिक अनुप्रयोगों में कैविटेशन का महत्व और उपयोग' एवं श्री राजेश कुमार बहल ने 'क्वटम (QKD) और प्रकाशीय संचार-अंतरिक्ष उपयोग' विषय पर व्याख्यान दिया।

इस दो दिवसीय संगोष्ठी में कुल 38 मौखिक प्रस्तुतियां दी गईं, जिसमें भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र, ब्रिट, इंदिरा गांधी परमाणु अनुसंधान केंद्र, परमाणु खनिज अन्वेषण एवं अनुसंधान निदेशालय, न्युक्लियर पॉवर कारपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड, इलेक्ट्रानिक्स कारपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड, परिवर्ती ऊर्जा साइक्लोट्रॉन केंद्र, परमाणु ऊर्जा नियामक परिषद, राजा रामन्ना प्रगत प्रौद्योगिकी केंद्र, परमाणु ऊर्जा केन्द्रीय विद्यालय, भौतिकी संस्थान, प्लाज्मा अनुसंधान संस्थान एवं सहयोगी संगठन – FCIPT एवं ITER के प्रतिनिधि शामिल थे। यह संगोष्ठी हाइब्रिड माध्यम से आयोजित की गई, जिसमें ऑनलाइन माध्यम से 6 प्रस्तुतियां शामिल थी। इस संगोष्ठी के विभिन्न सत्रों की अध्यक्षता डॉ. सूर्यकान्त गुप्ता, श्रीमती सुप्रिया नायर, डॉ. मनोज कुमार गुप्ता, डॉ. सूर्य कुमार पाठक, डॉ. ब्रज किशोर शुक्ला, डॉ. रंजना गंगराडे एवं डॉ. कुमार अजय द्वारा की गई।



(बाएँ) श्री राजेश कुमार बहल को स्मृति चिन्ह प्रदान करते हुए निदेशक महोदय डॉ. शशांक चतुर्वेदी (बीच में) प्रो सुरेन्द्र कछवाह को स्मृति चिन्ह प्रदान करते हुए डॉ. प्रवीण कुमार आत्रेय (दाएं) सभी का स्वागत करते हुए डॉ. प्रवीण कुमार आत्रेय



(बाएँ) सभा को संबोधित करते हुए डॉ. शशांक चतुर्वेदी (दाएं) प्रस्तुति देते हुए प्रो सुरेन्द्र कछवाह

राष्ट्रीय हिंदी वैज्ञानिक संगोष्ठी - 2023

इस संगोष्ठी में मुख्य विषय "नाभिकीय ऊर्जा और समाज हेतु इसका योगदान" के अंतर्गत चार उप-विषय शामिल थे - 1) वर्तमान ऊर्जा संकट में नाभिकीय ऊर्जा की भूमिका और नेट जीरो कार्बन में इसका योगदान, 2) परमाणु प्रौद्योगिकी के उपयोग में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की भूमिका, 3) अटल इनक्यूब्शन सेंटर के लिए परमाणु ऊर्जा विभाग में उपलब्ध तकनीकियाँ एवं 4) ऊर्जा उत्पादन में नाभिकीय विखंडन एवं नाभिकीय संलयन की भूमिका।

21 जुलाई 2023 को पऊवि के विभिन्न यूनिटों से आए प्रतिभागियों के लिए आईपीआर के आउटरीच प्रभाग द्वारा आउटरीच हॉल में स्थित प्रायोगिक मॉडलों का अवलोकन कराया गया एवं आउटरीच गतिविधियों की प्रस्तुति दी गई। साथ ही आदित्य टोकोमैक प्रयोगशाला का भी विजिट कराई गई।

21 जुलाई 2023 को समापन सत्र का आयोजन किया गया, जिसमें 20 एवं 21 जुलाई 2023 को आयोजित प्रस्तुतियों के लिए श्रेष्ठ प्रस्तुतिकरण पुरस्कार दिये गये। पहले दिन की श्रेष्ठ प्रस्तुति हेतु श्री मकरंद सिंद्ध भट्टी, भौतिकी संस्थान, श्री राजेश कुमार जैन, बीएआरसी, श्री परितोष चौधरी, आईपीआर एवं श्री कृष्ण कुमार गोटेवाल, आईपीआर को पुरस्कार प्रदान किये गये। दूसरे दिन की श्रेष्ठ प्रस्तुति हेतु श्री सरनजीत, आरआरकैट, श्री सत्य प्रभाकर, बीएआरसी सुश्री स्नेहलता अग्रवाल, आईपीआर एवं श्री आरोह श्रीवास्तव, आईपीआर को पुरस्कार प्रदान किये गये। अंत में धन्यवाद ज्ञापन के साथ कार्यक्रम का समापन किया गया।

इस संगोष्ठी के आयोजन हेतु गठित समिति के निम्नलिखित सदस्यों के योगदान से इसे सूचारू रूप से संपन्न किया गया- डॉ. प्रवीण कुमार आत्रेय, श्री राज सिंह, डॉ. सूर्य कुमार पाठक, डॉ. ब्रज किशोर शुक्ला, डॉ. ललित मोहन अवस्थी, डॉ. मनोज कुमार गुप्ता, श्रीमती सुप्रिया नायर, डॉ. रितेश सुगन्धी, श्री देवेन्द्र मोदी, श्री अनुज हार्वे, श्री आनंद विसानी, एवं डॉ. संध्या दर्वे, श्री मुकेश सोलंकी, श्री सिलेंल शाह, श्री देवेन्द्र मोदी, श्री हर्षद चामुण्डे, श्री हितेश सुथार, श्री प्रशांत कुमार, श्री श्रवण कुमार, सुश्री प्रतिभा गुप्ता, श्री पिनाकिन देवलुक, श्री बादल सेवक एवं श्री फैसल खान।

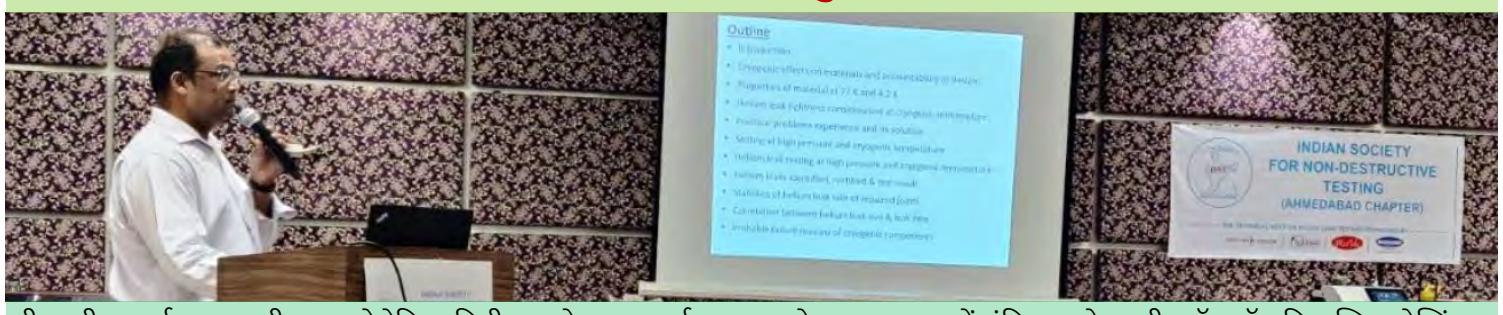


(बाएँ) प्रस्तुति देते हुए श्री राजेश कुमार बहल (बीच में) धन्यवाद ज्ञापन देते हुए श्री राज सिंह (दाएं) विजेताओं को पुरस्कार प्रदान करते हुए डॉ. पी. के. आत्रेय



विजेताओं को पुरस्कार प्रदान करते हुए (बाएँ) श्री निरंजन वैष्णव (बीच में) डॉ. सूर्य कुमार पाठक (दाएं) डॉ. ब्रज किशोर शुक्ला

सम्मेलन प्रस्तुति



श्री राजीव शर्मा (एसएसटी-1 क्रायोजेनिक डिवीजन) ने 22 जुलाई, 2023 को अहमदाबाद में इंडियन सोसाइटी फॉर नॉन-डिस्ट्रिक्टिव टेस्टिंग - आईएसएनटी अहमदाबाद चैम्पियन द्वारा आयोजित एनडीटी टेक्निकल मीट में "क्रायोजेनिक सिस्टम में हीलियम रिसाव परीक्षण" विषय पर एक आमंत्रित व्याख्यान दिया।

शीर्षक	पृष्ठ सं	शीर्षक	पृष्ठ सं
उच्च ऊष्मीय फ्लक्स परीक्षण सुविधा (एचएचएफटीएफ) का अपग्रेडशन	1	इटर परियोजना स्थल पर भारतीय शीतलकों द्वारा प्रथम शीतलन	6
हिंदी कार्यशाला	2	इटर भारत सहकर्मियों को "इटर स्टार पुरस्कार"	6
संस्थान के शैक्षणिक दौरे	2	राष्ट्रीय हिंदी वैज्ञानिक संगोष्ठी - 2023	7-8
सीपीपी-आईपीआर का शैक्षणिक दौरा	3	सम्मेलन प्रस्तुति	8
आइज़ॉल (मिज़ोरम) में प्लाज्मा प्रदर्शनी	4,5,8	सहकर्मी परिचय	9

सहकर्मी परिचय



श्री शैलेष कानपरा ने मेटालर्जी (धातुकर्म) में बेचलर ऑफ इंजीनियरिंग की डिग्री एमएस यूनिवर्सिटी, बड़ौदा से प्राप्त की। सातक स्तर की पढ़ाई के बाद कुछ समय के लिए इन्होंने जिंदाल SAW लिमिटेड और हेवी मेटल एंड ट्यूब्स लिमिटेड में काम किया और वर्ष 2010 में वैज्ञानिक अधिकारी-सी के रूप में आईपीआर में कार्यभार ग्रहण किया और उच्च तापमान प्रौद्योगिकी प्रभाग से जुड़ गये। पाउडर मेटलर्जिकल रूट का उपयोग करके टंगस्टन (W), W आधारित मिश्र धातु W लेमिनेट्स, Wf-W कंपोजिट, W-Cu एफजीएम आदि जैसे प्लाज्मा फेसिंग सामग्रियों एवं इसके परीक्षण एवं विशेषीकरण के विकास की दिशा में ये सक्रिय रूप से शामिल हुए एवं इस पर कार्य किया। पहली दीवार अनुप्रयोग के लिए थर्मल स्प्रे तकनीक का उपयोग करके CuCrZr, IN-RAFM स्टील और SS सब्सट्रेट सामग्री पर W कॉटिंग के विकास के बाद इसके उच्च ताप प्रवाह का परीक्षण और लक्षण वर्णन पर भी इन्होंने काम किया। वर्तमान में ये तरल सतह पीएफसी के लिए टिन-लिथियम (Sn-Li) मिश्र धातु उत्पादन सुविधा की स्थापना करने, हीलियम कूल्ड डायवर्टर मॉक-अप के निर्माण और मिनिएचर स्पेसिमेन परीक्षण तकनीक के विकास कार्य में शामिल हैं।

इनोवेशन फैसिलिटी सेंटर, आइज़ॉल (मिज़ोरम) में प्लाज्मा प्रदर्शनी



आइज़ॉल में आयोजित प्लाज्मा प्रदर्शनी के दौरान पचुंगा यूनिवर्सिटी कॉलेज, आइज़ॉल के स्वयंसेवकों के साथ आईपीआर टीम

प्लाज्मा समाचार समिति के सदस्य

छाया चावडा	डॉ. सूर्यकान्त गुप्ता	डॉ. अनिल कुमार त्यागी	अतुल गर्ग	शिल्पा खंडकर	निशा	डॉ. संध्या दवे	मुकेश सोलंकी
------------	-----------------------	-----------------------	-----------	--------------	------	----------------	--------------

'प्लाज्मा समाचार' में प्रकाशित सामग्री आईपीआर के मासिक समाचार पत्र 'The 4th State' से ली गई है। इस सामग्री को प्रदान करने

प्लाज्मा अनुसंधान संस्थान
भाट, इंदिरा ब्रिज के पास
गांधीनगर 382 428,
गुजरात (भारत)



प्लाज्मा अनुसंधान संस्थान
Institute for Plasma Research

अक्टूबर 20, 2023

Web : www.ipr.res.in
E-mail : newsletter@ipr.res.in
Tel : 91-79-2396 2000
Fax : 91-79-2396 2277